उड़ान

संरक्षक : प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी
प्रधान संपादक : प्रो. एच . पी . शुक्ल
संपादक: डॉ. राजेन्द्र कैड़ा
शिल्प एवं संरचना : विनीत पौडियाल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का त्रैमासिक न्यूज़ लेटर

अप्रैल - दिसम्बर 2018 (संयुक्तांक)

www.uou.ac.in

संदेश

सुधी पाठकों,

कुलपति के रूप में मैंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अपने जीवन का नवीन आयाम प्राप्त किया है। परम्परागत विश्वविद्यालय से दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था वाले विश्वविद्यालय में नियुक्ति मेरे लिए किंचित चुनौती के रूप में ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की अपनी अलग सीमाएँ, पद्धति एवं समस्याएं हैं। इन नवीन धाराओं के बीच संघर्ष और सफलता के लिए हम उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों में परस्पर सहयोग एवं पारदर्शिता से कार्य करने की आवश्यकता है। कहना न होगा कि भले ही इस विश्वविद्यालय की कार्य पद्धति परंपरागत विश्वविद्यालय से भिन्न है किन्तु अपने विद्यार्थियों के हितों की रक्षा एवं उनकी समस्याओं के निराकरण का भाव प्रदेश के अन्य शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों के समकक्ष ही है। हमारा एकमात्र उद्देश्य अपने विद्यार्थियों के उज्जवलतम भविष्य एवं सक्रिय कार्यकुशलता में बढ़ोत्तरी करना होना चाहिए। हमें इस बात का सदैव स्मरण रखना चाहिए कि हम परस्पर सहयोग एवं सामंजस्य से अपनी सम्पूर्ण निष्ठा एवं संसाधनों के कुशलतम उपयोग से अन्तत: अपने विद्यार्थियों के हितों का उन्नयन करने में सक्षम हो सकें। 'उड़ान' के इस नवीन संयुक्तांक द्वारा मैं इस विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम सदस्य के रूप में आप सभी सहयोगियों, विद्यार्थियों, पाठकों एवं शुभचिंतकों का आवाह्न करता हूँ कि हम मिलकर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रगति एवं कार्यकुशलता के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करेंगे।

आप सभी को यथोचित सम्मान एवं सहयोगाकांक्षा के साथ।

(प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी)
कुलपति

एक नज़र

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह दिनांक 27 नवम्बर, 2018

माननीय वित्त मंत्री द्वारा योग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

पत्रकारिता पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण

सम्पादकीय

विश्वविद्यालय के मुखपत्र 'उड़ान' के इस नवीन संयुक्तांक के साथ एक बार पुन: आपके समक्ष प्रस्तुत होते हुए मुझे प्रसन्नता है। इस बीच परिस्थितियों में किंचित परिवर्तन हुआ है। विश्वविद्यालय जहां भविष्य की ओर अबाध गति के उन्मुख हुआ है वहीं उसके सामने नवीन समस्याएं एवं चुनौतियां भी प्रकट हुई हैं। विश्वविद्यालय के नवीन नेतृत्त्व की दिशा संकेत पर हम सभी समस्याओं का निराकरण कर लेंगे यही आशा सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को चालित किए हुए है।

अंक का अवलोकन करने पर आप पाएंगे कि विश्वविद्यालय की सभी इकाईयां अपने – अपने स्तर पर फलदायी प्रयासों से परिचालित हैं। यह उन्नयन व्यक्ति एवं अनुभाग दोनों स्तरों पर समानान्तर रूप से सक्रिय है।
किंचित संक्षिप्त रूप में आपके समक्ष यह ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए 'उड़ान' अपने कार्यों पर संतोष का अनुभव कर रहा है।
आपके सुझावों और स्नेह की आशा के साथ।

राजेन्द्र कैड़ा
(सम्पादक-उड़ान)

नए कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण

प्रोफ़ेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी ने गत माह 08 फरवरी को विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है | इससे पूर्व प्रोफ़ेसर नेगी कुमाऊं विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर में भौतिक विज्ञान विभाग में आचार्य एवं विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे | प्रोफ़ेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी की कुलपति के रूप में नियुक्ति पर सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार उनको अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता है | कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कार्मिकों के साथ अपने प्रथम संवाद में माननीय कुलपति ने सभी समस्याओं के शीघ्र निवारण का आश्वासन दिया एवं मिलकर कार्य करते हुए विश्वविद्यालय को उन्नति के नवीन आयाम तक पहुँचाने की आशा व्यक्त की।

नए कुलसचिव की नियुक्ति

बीते सितम्बर माह में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में श्री भरत सिंह (1971, तेजम, पिथौरागढ़) ने विश्वविद्यालय के नए कुलसचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया | श्री सिंह की की प्रारम्भिक शिक्षा पिथौरागढ़ में हुई | पंतनगर विश्वविद्यालय से स्नातक करने के उपरान्त इन्होंने कुमाऊं विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की एवं तत्पश्चात सिक्किम मनिपाल विश्वविद्यालय से MBA-HR की उपाधि प्राप्त की | उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व श्री सिंह को विभिन्न संस्थानों में सुदीर्घ कार्यानुभव प्राप्त है | जिसमें एफ.सी.आई (क्वॉलिटी इन्स्पेक्टर), साबार्ड (बैंक मैनेजर), संघ लोकसेवा आयोग (असिस्टेंट स्टाफ ऑफिसर), एरीज़ , नैनीताल (सहायक कुलसचिव) आदि उल्लेखनीय हैं | श्री भरत सिंह अपनी कार्यकुशल , कर्मठ एवं ईमानदार छवि के लिए जाने जाते हैं | उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिवार नए सदस्य के रूप में उनका स्वागत करता है|

समाज की बेहतरी के लिए करें ज्ञान का उपयोग - कुलाधिपति

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह दिनांक 27 नवम्बर, 2018

दिनांक 27 नवम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में माननीय श्री राज्यपाल द्वारा दीक्षांत भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ, धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री उपस्थित रहे। समारोह में वर्ष 2016-17 के पीएच.डी., स्नातक, परास्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा के 2,256 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा उपाधि प्रदान की गई।

पीएच. डी. की उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थियों की सूची-

1.	रितु नौटियाल	शिक्षक शिक्षा विभाग
2.	ममता कुमारी	शिक्षक शिक्षा विभाग
3.	विपिन चन्द्र	पत्रकारिता
4.	आरती भट्ट	पत्रकारिता
5.	शिव प्रसाद जोशी	पत्रकारिता
6.	दिनेश चन्द्र कर्नाटक	हिन्दी
7.	दीपक चन्द्र	समाजशास्त्र

दीक्षांत समारोह के पूर्व दिवस पर विश्वविद्यालय में कार्य परिषद एवं विद्या परिषद की बैठकें भी संपन्न हुई, इसमें दीक्षांत समारोह में वितरित की जाने वाली उपाधियों, डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्रों को परिषदों ने अनुमोदित किया। कुलपति प्रोफेसर डी. के. नौड़ियाल के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के निदेशक, कार्यपरिषद एवं विद्या परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

चतुर्थ दीक्षांत समारोह ....झलकियाँ

युवा हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान हल्द्वानी • बुधवार • 28 नवंबर 2018 • 06

हल्द्वानी स्थित विवि मुख्यालय में प्रख्यात लोकगायक जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण को मानद उपाधि प्रदान की गयी

यूओयू में 2256 छात्रों को दी कुलाधिपति उपाधि

दीक्षांत समारोह

04 वां दीक्षांत समारोह उत्तराखंड मुक्त विवि का आयोजित हुआ

07 शोधार्थी को समारोह में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गयी

13 वर्ष पूर्व हुयी थी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना

24 हजार है उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्राओं की संख्या

कुलाधिपति ने छात्रों को दिया गुरुमंत्र

'पंडित नैन सिंह के गांव में स्मारक बनाएगी सरकार'

डॉ. धन सिंह रावत • हिन्दुस्तान

कुमाऊंनी-गढ़वाली के लिए खुलेंगे अध्ययन केन्द्र

संस्कृत, वेद और योग अनिवार्य होगा

अमर उजाला | दीक्षांत समारोह | अमर उजाला

समाज की बेहतरी के लिए करें ज्ञान का उपयोग

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने किया आह्वान, लोकगायक प्रीतम भरतवाण मानद उपाधि से सम्मानित

2256 को दी गईं स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधियां, सात को पीएचडी की उपाधि

सीमित संसाधनों में पाया बड़ा मुकाम : कुलपति

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह 2018 के उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं ने अपनी खुशी का इजहार किया।

पंडित नैनसिंह रावत के पैतृक गांव में बनेगा स्मारक : धनसिंह

हर विवि में संस्कृत, वेद और योग विषय अनिवार्य रूप से लागू होगा

दीक्षांत समारोह का शुभारंभ करती राज्यपाल बेबी रानी मौर्य, उच्चशिक्षा मंत्री धनसिंह रावत, कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी।

माननीय वित्त मंत्री द्वारा योग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

योग विभाग द्वारा अप्रैल माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन सत्र में दिनांक 12 अप्रेल को मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट व संसदीय कार्य मंत्री, वित्त मंत्री, मनोरंजन कर, आबकारी, पेयजल व स्वच्छता मंत्री श्री प्रकाश पन्त ने प्रतिभाग किया तथा अपने संबोधन से प्रतिभागियों को लाभान्वित किया।

माननीय वित्त मंत्री, उत्तराखण्ड श्री प्रकाश पंत जी योग कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए।

कार्यशाला के अंतर्गत कुमाऊं मण्डल विकास निगम, पिथौरागढ़ के प्रबन्धक श्री दिनेश गुरूरानी के आग्रह पर सामुहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा शहीद स्मारक में **'एक दिया शहीदों के नाम'** कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय के प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम संयोजक तथा विभागाध्यक्ष डा० भानु प्रकाश जोशी जी ने विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य तथा योग विभाग की कार्यशालाओं की गतिविधि तथा कार्यशाला की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की।

दिनांक 20 जून 2018 एवं 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र जानकी देवी एजुकेशन वैलफियर सोसाइटी में दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें परिसर निदेशक, देहरादून द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर निदेशक, परिसर देहरादून द्वारा योग विषय पर वक्तव्य दिया गया।

दिनांक 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परिसर देहरादून में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मॉडल अध्ययन केन्द्र के योग प्रशिक्षक श्री अनिल थपलियाल जी द्वारा योग के इतिहास एवं उसके महत्व के बारे में एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि शरीर के स्वस्थ रहने पर ही मस्तिष्क स्वस्थ रहता हैं और मस्तिष्क से ही शरीर की समस्त क्रियायें संचालित होती हैं। इस प्रकार हमारे शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आत्मिक विकास हेतु योगासन अति आवश्यक हैं।

खाद्य वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ संघ, भारत (Association of Food Scientists and Technologists, भारत) द्वारा 13 अप्रैल, 2018 को "भारतीय अर्थव्यवस्था पर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के प्रभाव" शीर्षक पर बहुउद्देशीय हॉल, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा किया गया। इस सम्मेलन में देश एवं विदेश की कई खाद्य प्रसंस्करण कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में पैनल चर्चाओं के 2 सत्रों और उद्योग प्रस्तुति के 1 सत्र के दौरान 12 वक्ताओं और 15 पैनलिस्टों ने अपने अनुभव और दृष्टिकोण साझा किए। पहली पैनल चर्चा "प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र और भविष्य के अवसरों" पर और दूसरी "संगठित रिटेल: चुनौतियां और अवसर" पर थी। वक्ताओं ने अपने भाषण और प्रस्तुतियों के माध्यम से यह जानकारी दी कि कैसे नई प्रौद्योगिकियां खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की गुणवत्ता और वितरण में सुधार कर सकती हैं। खाद्य वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ संघ प्रतिवर्ष खाद्य प्रसंस्करण, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी से सम्बंधित ऐसे कई आयोजन करता है।

पत्रकारिता पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

परिसर देहरादून में 10 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 तक पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें बडी संख्या में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. लालबहादुर वर्मा ने किया। कार्यशाला को दून विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश कुमार, इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की डॉ. भूमिका चंदोला तथा उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय के श्री भूपेन सिंह ने भी संबोधित किया।

अक्टूबर 2018 को राजस्थान एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर में आयोजित 'ग्लोबल रिसर्च इनिशिएटिव फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एलाइड साइन्सेज़' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में कृषि एवं विकास अध्ययन विद्याशाखा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सहायक प्राध्यापक डॉ. वीरेन्द्र कुमार को 'यंग साइंटिस्ट अवार्ड' से सम्मानित किया गया | इस अवसर पर डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने अपना शोध-पत्र भी प्रस्तुत किया | उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिवार डॉ. वीरेन्द्र कुमार को उनकी इस सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता है |

दिनांक 01 जून से 27 जून 2018 तक विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा संपन्न हुई जिसमें 48501 परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा, 7170 परीक्षार्थी बैक परीक्षा तथा 190 परीक्षार्थी सुधार परीक्षा (कुल 55861) हेतु सम्मलित हुए है।परीक्षा सारणी छात्रों की सुविधा हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट में अपलोड की दी गई थी।

माह अप्रैल में 285 मूल उपाधियाँ, 32 अंतरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र वाहक/डाक से प्रेषित किए गये। माह जुलाई में 143 मूल उपाधियाँ, 28 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

माह अगस्त में ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 221 मूल उपाधियों, 68 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर - 127 वीं जयन्ती

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 127 वीं जयन्ती उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में पोस्टर एवं कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रोफेसर एच. पी. शुक्ल व प्रोफेसर आर. सी. मिश्र द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर एच. पी. शुक्ल ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने देश को संविधान प्रदान कर राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। कुलसचिव प्रोफेसर आर. सी. मिश्र ने कहा कि भारतीय इतिहास में उनका योगदान अमर रहेगा। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दिनेश कुमार जी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन दर्शन, शैक्षिक दर्शन, समाज के पिछड़े वर्गों व नारी उत्थान हेतु किए गए कार्यों के प्रत्येक बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के सही दिशा निर्देशन के साथ देश की राजनैतिक व्यवस्था व अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक लिखित संविधान प्रदान किया, साथ ही भारतीय रिर्जव बैंक आंफ इंडिया स्थापित करने का श्रेय उन्हीं को प्राप्त है। संविधान के द्वारा हम सभी भारतीय अपने अधिकारों व कर्तव्यों का प्रयोग करते हैं। उनके द्वारा समाज में फैली अनेक कुरूतियों को कानून द्वारा दूर करने का सफल प्रयास किया गया। डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि शिक्षा का प्रचार एवं प्रयास किए बिना कोई भी राष्ट्र अपना विकास नहीं कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. दीपांकुर जोशी ने अपने विचार रखे व संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया।

दूरस्थ शिक्षा में उच्च स्तरीय चिंतन

दिनांक- 10-11 मई, 2018 को माननीय कुलपति द्वारा राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र एशिया (Commonwealth of Learning (COL) and Asia e-University, Malaysia के सहयोग द्वारा आयोजित High Level Roundtable for Vice Chancellors & Heads of ODL Institutions, की बैठक में कुवालालम्पुर, मलेशिया में प्रतिभाग किया गया।

बैठक में विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियों व दूरस्थ शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों द्वारा 'अवरोध एवं व्यवधानों के इस युग में नेतृत्व का क्या महत्व है तथा किस तरह एक कुशल नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय व दूरस्थ शिक्षा संस्थान अपना संर्वागीण विकास करते हुए अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर सकते है', पर विचार विमर्श किया गया।

Hello Haldwani हलो हल्द्वानी 91.2 FM

TOLL FREE
18001804025

/uoulive
/uoulive

UOU APP GET IT ON Google Play

Hello Haldwani 91.2 FM GET IT ON Google Play

रिस्पना नदी के पुनर्जीवन हेतु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की सहभागिता

निदेशक, परिसर देहरादून के निर्देशन में उत्तराखण्ड राज्य सरकार के द्वारा चलाये जा रहे एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के अन्तर्गत रिस्पना नदी के पुनर्जीवन के प्रयासों के लिये मैपिंग एवं स्वच्छता अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को रिपोर्ट सौंपते हुए प्रो. पंत उत्तराखण्ड राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'रिस्पना नदी के पुनर्जीवन' के प्रयासों के अन्तर्गत परिसर देहरादून द्वारा अधिकाधिक सहयोग दिया जा रहा है जिसके अन्तर्गत दिनांकः 22 मई 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर राज्य के विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से पौधारोपण हेतु गड्डे खोदे गये जिसमें मुक्त विश्वविद्यालय परिसर द्वारा भी सक्रिय प्रतिभाग किया गया। उत्तराखण्ड राज्य में सूख रहे जलस्रोतों के बारे में शुक्लापुर मॉडल 'हेस्को देहरादून' के अनुसार लगभग 21 जलस्रोतों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट प्रमुख वन संरक्षक श्री जयराज एवं माननीय मुख्यमंत्री को सौंपी गई। रिस्पना पुनर्जीवीकरण के अन्तर्गत रिस्पना में गिरने वाले गन्दे नालों की विस्तृत रिपोर्ट राज्य के मुख्य सचिव एवं माननीय मुख्यमंत्री को सौंपी गई।

माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को रिपोर्ट सौंपते हुए प्रो0 पंत

दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा देहरादून जिले के डोईवाला ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 42 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं, 40 प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढ़ने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के सम्बन्ध में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन हिमालय आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय, फतेहपुर, डोईवाला में दिनाँक 12-14 जून 2018 को किया गया| कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', सांसद हरिद्वार लोकसभा, अध्यक्ष संसदीय सरकारी आश्वासन समिति, भारत सरकार एवं प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और सच्चिदानंद भारती, प्रणेता पानी राखो आंदोलन ने दीप प्रज्ज्वलन से किया|

कार्यशाला को संबोधित करते डॉ0 रमेश पोखरियाल 'निशंक', पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं सांसद हरिद्वार लोकसभा

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने दिव्यांग लोगों को शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने पर अवसर देने पर जोर दिया| कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य डोईवाला ब्लाक के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमें विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के विषय में जानकारी देना है|

डिजिटल क्रांति में विश्वविद्यालय का योगदान

- विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर डिजिटल क्रांति में अपना सक्रिय सहयोग व योगदान प्रदान किया जाता रहा है| इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए यू ओ यू एप का लोकार्पण डॉ. धन सिंह रावत, माननीय शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा 29 नवम्बर, 2017 को किया गया था | इस एप को विद्यार्थी अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर सकते हैं तथा इसकी सहायता से वह प्रवेश, पाठ्य सामग्री, सत्रीय कार्य, वीडियो लेक्चर व विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली अद्यतन जानकारी व घोषणाओं से अवगत हो सकेगा| माह मई में इस एप में सत्रीय कार्य हेतु एक नया लिंक भी दिया गया है जिससे विद्यार्थियों को सत्रीय कार्य डाउनलोड करने में सुविधा हो सके। वर्तमान में इस एप को लगभग 2200 उपयोगकर्ताओं द्वारा डाउनलोड किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त निर्देशों के क्रम में देश के समस्त विश्वविद्यालयों को Digital Learning Monitoring Cell के गठन एवं National Digital Library (NDL) से सम्बद्ध किए जाने हेतु निर्देशित किया है जिसके क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा Digital Learning Monitoring Cell एवं National Digital Library (NDL) का गठन किया गया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की डिजिटल पॉलिसी को तैयार करने के लिए परिसर देहरादून के निर्देशन में विश्वविद्यालय की आई0टी0 टीम के साथ कार्य निरन्तर जारी है एवं इसके लिए वीडियो लिंक के माध्यम से कार्य किया गया है। परिसर निदेशक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में ई-प्रोक्योरमेन्ट के लिए एन0आई0सी0 के माध्यम से सहयोग लिया जा रहा है। प्रारम्भिक तौर पर एक विस्तृत डॉक्यूमेन्ट को ई-टेंडरिंग के तहत तैयार किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस

पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय तथा वन विभाग के कर्मचारी विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर 5 जून को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वन विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण व इसके समीप के वन क्षेत्र से पॉलीथिन हटाने का कार्य सम्पन्न किया। इस बार विश्व पर्यावरण दिवस का केंद्र 'प्लास्टिक प्रदूषण' था। विश्वविद्यालय तथा वन विभाग के सौ से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया व विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी.मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्व से प्रदूषण कि मुक्ति तभी सम्भव है जब प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने स्तर पर पौधारोपण का कार्य करे। वन विभाग के डी.एफ.ओ. श्रीमती कल्याणी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम अपने आस-पास की सम्पूर्ण सफाई से ही पर्यावरण को भी पूरी तरह साफ-सुथरा रख सकते हैं।

पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय तथा वन विभाग के कर्मचारी

टॉपर्स कॉन्क्लेव

दिनांक अगस्त, 2018 से   अगस्त, 2018 तक राजभवन, देहरादून में आयोजित टॉपर्स कॉन्क्लेव हेतु कुलपति तथा विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले निम्न दो विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

क्र0 स 0	नामांकन संख्या	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	पाठ्यक्रम	प्राप्तांक पूर्णांक	प्रतिशत
1-	15072328	उत्तम प्रसाद सेमवाल	मार्कंडेय प्रसाद सेमवाल	वनस्पति विज्ञान में परास्नातक	936/1200	78%
2-	15068524	कु. आरती	बचन सिंह	एम. ए. अग्रेंजी	699/900	77.67%

पाँच दिवसीय टॉपर्स कॉन्क्लेव में मुख्य वक्ता व वाह्य विषय विशेषज्ञों के विषयों पर प्रतिभाग कर रहे सभी टॉपर्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों में विश्वविद्यालय की छात्रा कुमारी आरती ने प्रथम दो मुख्य वक्ताओं में द्वितीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

उत्तराखंड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों विषय पर व्याख्यान

अल्मोड़ा से प्रकाशित प्रदेश के एतिहासिक अखबार 'शक्ति' के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में उत्तराखण्ड की पत्रकारिता के विकास और चुनौतियों विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। शक्ति अखबार उत्तराखण्ड मे नवजागरण का अग्रदूत था। आजादी के तीस साल पहले शुरु हुए इस अखबार ने आजादी के आंदोलन के साथ ही सामाजिक आंदोलनों को आवाज देने का काम किया। सामाजिक बुराईयों पर अपनी आवाज मुखर की।

उन्होंने बताया कि शक्ति अखबार केवल एक अखबार नहीं होता था बल्कि महात्मा गांधी जब आजादी के वक्त अल्मोड़ा आए थे तो लोग भेंट में उन्हें ये अखबार दिया करते थे,ये अखबार लोगों के बीच बांचा जाता था लोग सामूहिक रूप से इसकी खबरों को सुनते थे इसे। उत्तराखंड में जाति के खिलाफ आंदोलन हो या फिर कुली बेगार, सब में प्रखर रुप में इसने अपनी बात रखी। कभी किसी के आगे झुका नहीं। एक तरफ जहां ये क्षेत्रीय मुद्दों को आवाज दे रहा था तो वहीं राष्ट्रीय आंदोलनों के साथ भी एकाकार था। लोगों को उनकी कूपमंडूकता से निकाल रहा था। शक्ति के बहाने प्रो. शेखर पाठक ने उत्तराखण्ड में पत्रकारिता के इतिहास को यहां के आंदोलनों के विकास के साथ के क्रम में बताया। इस मौके पर कुमांऊनी कवि जगदीश जोशी, भाषाविद् प्रयाग जोशी, साहित्यकार व शिक्षक महेश पुनेठा, रघु तिवारी, शिक्षक नेता डॉ.सुनील पंत, विनीत फुलारा, भास्कर उप्रेती, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आर.सी. मिश्र, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल बोहरा, इतिहास के प्रोफेसर गिरिजा पांडे, डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, डॉ. ममता, राकेश रयाल, राजेन्द्र क्वीरा, समेत कई शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस,2018

शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करती डॉ0 नीरजा टण्डन।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 05 सितम्बर 2018 को विश्वविद्यालय सभागार में 'शिक्षक दिवस समारोह' का अयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षका डॉ0 नीरजा टण्डन, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में विशिष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। 'शिक्षक दिवस समारोह', 2018 की अध्यक्षता प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा द्वारा की गई। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्ग प्रदर्शक होता है। शिक्षा का मूल रोजगार या धनोपार्जन न होकर मूल्य-निर्धारण होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि 'भारतीय ज्ञान- परम्परा' का उद्भव व्यक्ति के भीतर व्याप्त 'शिक्षत्व'की चेतना में निहित है। विशिष्ट शिक्षक सम्मान, 2018 से विभूषित प्रोफेसर नीरजा टण्डन ने अपने जीवन एवं अध्यापन के गहन अनुभवों का सभी के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि एक सच्चे शिक्षक का कर्तव्य है कि वह स्वयं के भीतर एक विद्यार्थी को जीवित रखे। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल ने प्रोफेसर नीरजा टण्डन को प्रशस्ति-पत्र, श्रीफल एवं शॉल देकर सम्मानित किया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों को पुस्तकें एवं कलम देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

हिन्दी दिवस

दिनांक 14 सितंबर 2018 को हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर एच. पी. शुक्ल ने कहा कि हर सचेत समाज अपनी परम्परा को नवीन ढंग से खोजता है। हिन्दी भाषा की परम्परा इस देश की मूल संस्कृति से जुड़ी हुई है। इसी कारण वह बाजार की शक्तियों से प्रभावित भले हो, किन्तु संचालित नहीं है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कुमाऊं विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. नीरजा टण्डन ने कहा कि हर हिन्दी की ताकत इसकी प्रादेशिकता में है। यह भाषा इसलिए सम्रद्ध है क्योंकि इसके पास लम्बी प्रादेशिक चेतना है। कॉमर्स एवं प्रबन्ध विद्याशाखा के निदेशक प्रो.आर.सी. मिश्र ने कहा कि हिन्दी भाषा का लचीलापन एवं असाम्प्रदायिक चरित्र इसे विशिष्ट बनाता है। संगोष्ठी का प्रस्तावना वक्तव्य देते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शशांक शुक्ल ने कहा कि हिन्दी भाषा की ताकत इसका जनतांत्रिक स्वरूप है। यह सत्ता की भाषा कभी नहीं रही। इसकी ताकत यह भी नहीं कि यह इस देश की संस्कृति, पूर्वभाषा- अपभ्रंशों के दामन को स्वीकार कर आगे बढ़ी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने किया।

गाँधी जयंती तथा स्वच्छता अभियान

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 अक्टूबर 2018 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हल्द्वानी के सभागार में गाँधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी याद किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत चतुर्थ गाँधी स्मृति व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह बिष्ट 'बटरोही' (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य, हिन्दी विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय) ने चतुर्थ गाँधी स्मृति व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल, निदेशक मानविकी विद्याशाखा द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रोफेसर आर.सी. मिश्र, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, प्रोफेसर पी.डी. पंत सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में श्रमदान अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर की सफाई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 3/12/2018 को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर एच पी शुक्ल निदेशक शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा, प्रोफेसर आर सी मिश्रा, प्रोफेसर पी डी पन्त, प्रोफेसर गिरिजा पांडे, कुलसचिव भरत सिंह रावत एवं सक्षम संस्था के प्रांतीय मंत्री ललित पन्त द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया |

विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित कुलसचिव, शिक्षक एवं अन्य

विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित कुलसचिव, शिक्षक एवं अन्य कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर एच पी शुक्ल द्वारा दिव्यांगों के हितार्थ समाज को करने का अनुरोध किया गया साथ ही समाज के लोगों से अपेक्षा की गई उनकी लाचारी पर दया भाव ना दिखा कर उनके सशक्तिकरण का प्रयास करना होगा | साथ ही उन्होंने दिव्यांग जनों को अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहने की अपेक्षा की और साथ ही अपने कर्तव्य के पालन में दिव्यान्गता आड़े ना आने की प्रशंसा भी की| डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस की संकल्पना के बारे में एक रूपरेखा प्रस्तुत की गई और इस दिवस को मनाने का उद्देश्य बताया | कार्यक्रम के अतिथि सक्षम संस्था के प्रांतीय मंत्री श्री ललित पन्त ने अपने उद्बोधन में आश्वासन दिया कि राज्य सरकार द्वारा दिव्यांग जनों के लिए उनके अधिकारों के लिए पूर्ण सहयोग दिया जाएगा | शासन स्तर पर उनकी मांगों का निराकरण यथाशीघ्र करने का विश्वास दिलाया | प्रोफेसर आर सी मिश्र द्वारा दिव्यांग जनों के लिए अधिकाधिक मौके दिए जाने की पैरवी की की गई | प्रोफेसर गिरिजा पांडे द्वारा दिव्यांगों के पुनर्जागरण की आवश्यकता पर बल दिया | श्रीमती मनीषा पंत द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया | कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में कार्यरत दिव्यांग श्री बालम दफौटी - कंप्यूटर साइंस विभाग, श्री दिनेश पाल सिंह-विद्युत कर्मी, सुश्री निर्मला कुमारी – हेल्प डेस्क, का पुष्प गुच्छ, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया | कार्यक्रम में निर्मला कुमारी द्वारा व्हील चेयर डांस द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया| कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा विभिन्न दिव्यांगों द्वारा अपने क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के संस्मरण से लोगों को अवगत कराया और अपेक्षा की कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर विज्ञान शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों में दिव्यांगों की सहभागिता सुनिश्चित करेगा।

विश्व आत्मकेंद्रित (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस रिपोर्ट

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा 2 अप्रैल 2018 को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन हल्द्वानी क्षेत्र में दिव्यांग बच्चों के माता-पिता द्वारा संचालित संस्थान रोशनी सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर, हल्द्वानी में किया गया| विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों से सम्बंधित भ्रांतियों का निराकरण एवं अभिभावकों को ऑटिज्म के प्रति जागरूक करना था| कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा रोशनी सोसाइटी में अध्ययनरत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया| कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत विशिष्ट शिक्षा विभाग की सदस्या डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा किया गया| मुख्य वक्ता एवं ऑटिज्म विशेषज्ञ श्रीमती विनीता वर्मा ने ऑटिज्म के कारण व इसके प्रकार और निराकरण के विषय की विस्तार से चर्चा की| उन्होंने बताया संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा द्वारा 2 अप्रैल को विश्व आत्मकेंद्रित (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस का दिवस निश्चित किया गया है|इस दिवस के दिन नीले रंग को इसके प्रतीक के रूप में मान्यता प्रदान की गई|

विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म के प्रति अभिभावकों को और जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया| अभिभावकों के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमति प्राप्त होने पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय नवीन सत्र से बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के पाठ्यक्रम के संचालन की बात कही| साथ ही बच्चों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों की सराहना की गयी| कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी.मिश्र ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए इस प्रकार के दिवस की जानकारी सबको मिले इसके लिए बड़े स्तर पर इस दिवस को मनाने पर बल दिया| शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की देख रेख एवं शिक्षा को लेकर समाज में और जागरूकता लाने पर बल दिया| अभिभावकों गोविन्द मेहरा एवं ललित शाह द्वारा ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों के पालन पोषण एवं उनकी शिक्षा के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं एवं उनके निराकरण के सम्बन्ध में सुझाव दिए|

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के तात्कालीन कुलपति माननीय प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी.मिश्र एवं निदेशक प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल द्वारा रोशनी सोसाइटी के बच्चों को उनके विद्यालय का नवीन सत्र प्रारंभ होने एवं प्रवेशोत्सव के उपलक्ष्य पर नए स्कूल बैग एवं पुस्तकें वितरित की गई | कार्यक्रम में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी जिसमे अदित्य एवं आभास द्वारा स्वागत गीत पर नृत्य, ऋचा द्वारा गायन एवं अन्य बच्चों द्वारा समूह गायन की प्रस्तुति दी गयी| श्रीमती आभा गर्खाल द्वारा माँ एवं पुत्र के स्नेह के ऊपर एक स्वरचित कविता का पाठ किया गया|

रोशनी सोसाइटी की चेयरमेन श्रीमती शिवानी पाल द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों का आभार प्रकट किया गया| कार्यक्रम का संचालन विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा किया गया| कार्यक्रम में कैलाश जोशी, डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, योगेश गुरुरानी, पंकज, राजेश आर्य, पूजा जुयाल, सुनीता भट्ट समेत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे एवं उनके अभिभावक सहित विश्वविद्यालय के सदस्य उपस्थित रहे|

राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी पोर्टल

विश्वविद्यालय द्वारा उपाधियों की प्रविष्ठि व सत्यापन हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी पोर्टल का निर्माण किया जा चुका है। राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी पोर्टल पर कार्य करने से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी के कार्मिकों के साथ प्रदर्शन व्याख्यान भी किया गया। सभी उपाधियों को डिजिटल हस्ताक्षरित करने के लिए डिजिटल हस्ताक्षर बनाने की प्रक्रिया अन्तिम चरण में है। समस्त उपाधियों तथा प्रमाणपत्रों को राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी पोर्टल में उपलब्ध किए जाने हेतु सॉफ्ट कॉपी के रूप में परिवर्तित कराया जा चुका है, जिसमें कि कुलपति महोदय तथा परीक्षा नियंत्रक के हस्ताक्षर भी सम्मिलित हैं। इस हेतु विश्वरविद्यालय के डॉ. सुमित प्रसाद, सहायक प्रध्यापक प्रबंध व श्री नवनीत मेहरा तकनीकी परामर्शदाता द्वारा उपाधियों के ऑनलाइन करने हेतु यू.जी.सी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित की गई एन.ए.डी. से सम्बंन्धित संगोष्ठी में दिनांक 21 जून 2018 को प्रतिभाग किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई उपाधियों में से लगभग 1800 उपाधियॉं सत्यापन हेतु पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को वैबसाइट के लाइव पोर्टल पर भी लॉग इन आई.डी. प्रदान की जा चुकी है।

डॉ. जीतेन्द्र पाण्डे द्वारा Inter Staff Exchange Fellowship के अंतर्गत थाईलैंड में (MOOC) पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेन्द्र पाण्डे का चयन Asian Association of Open Universities (AAOU) की प्रतिष्ठित Inter-University Staff Exchange Fellowship हेतु दिनांक 01 जुलाई, 2018 से 30 जुलाई, 2018 तक Sukhothai Thammathirat Open University, Bangpood, Pakkret, Nonthabur, Thailand में हुआ| इस फेलोशिप के अंतर्गत डॉ. जीतेन्द्र पाण्डे द्वारा Sukhothai Thammathirat Open University में रहकर A comparative study of OER practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Sukhothai Thammathirat Open University (STOU), Thailand विषय में शोध किया गया|

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम

विगत 1-7 सितम्बर, 2018 के बीच "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" मनाया गया। स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा अच्छी सेहत को बढ़ावा देने में उचित पोषण के महत्व तथा संतुलित आहार के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए प्रति वर्ष 1 सितंबर से 7 सितंबर के मध्य खाद्य और पोषण बोर्ड, महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष इसे एक विशिष्ट विषय को ध्यान में रखकर मनाया जाता है और इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय था; "बच्चे के प्रथम 1000 दिनों के दौरान अल्प-पोषण को संबोधित करने हेतु केंद्रित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना: बेहतर बाल स्वास्थ्य""Ensuring focused interventions on addressing under-nutrition during the first 1000 days of the Child: Better Child Health".

इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया जिसमें विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल "हैलो हल्द्वानी" के माध्यम से विभाग द्वारा रिकॉर्ड किए गए खाद्य एवं पोषण पर व्याख्यान तथा चर्चाओं को प्रसारित किया गया। इन चर्चाओं का केंद्र मूलत: बाल आहार तथा पोषण एवं शिशु के पूरक आहार का महत्व तथा आवश्यकता पर था। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की भी जानकारी रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से दी गई। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में वहाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों डॉ. प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा गाँव के आंगनबाड़ी केंद्र पर जाकर वहाँ पर आए लाभार्थियों जिसमें गर्भवती एवं धात्री महिलाएं, किशोरियाँ तथा बच्चे सम्मिलित थे तथा कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें पोषण सम्बंधी जानकारी दी गई। इस शिविर में गाँव की महिलाओं को संतुलित पोषण एवं आहार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही उनकी आहार एवं पोषण सम्बंधी समस्याओं का भी निदान किया गया। विशेषकर बच्चों के आहार एवं पूरक पोषण पर बल दिया गया। शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. ममता कुमारी द्वारा ग्रामीणों को शिक्षा विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

(विश्वविद्यालय टीम एवं प्रतिभागी)

दिनांक 6 सितंबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा चार्ट/पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था "बच्चों की स्वस्थ भोजन थाली"। चार्ट/पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

छात्रों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। दिनांक 7 सितंबर को विभाग द्वारा आहार एवं पोषण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था; "भोजन एवं हमारा स्वास्थ्य"। पोषण क्विज प्रतियोगिता में कुल 14 प्रतिभागी थे जो 2-2 प्रतिभागियों के सात वर्गों में विभाजित थे। इस प्रतियोगिता में सभी वर्गों से आहार एवं पोषण से सम्बंधित सामान्य प्रश्न पूछे गए। क्विज प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्रों तथा शिक्षकों ने संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया। दोनों ही प्रतियोगिताओं के निर्णायक डॉ. राजेंद्र कैड़ा थे। माननीय कुलसचिव एवं निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रोफेसर आर. सी. मिश्र द्वारा पुरस्कार अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (मौखिकी)

क्रम	शोध छात्र	शोध निदेशक	शीर्षक	विभाग	वाह्य परीक्षक	दिनाँक
1.	श्री विपिन चन्द्रा	प्रोफेसर गोविंद सिंह	समाचार पत्रों के माध्यम से सरकार के छवि निर्माण में सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग का योगदान	पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग	प्रो. ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा एम.जी. काशी विद्यापीठ वाराणसी	14 जून 2018
2.	श्री दिनेश चन्द्र कर्नाटक	डॉ. शशांक शुक्ला	समकालीन हिन्दी कहानी का विवेचनात्मक अध्ययन: युवा कहानीकारों के सन्दर्भ में	हिन्दी विभाग	प्रो. सत्यकम निदेशक, हिंदी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी दिल्ली	26 जून 2018
3.	सुश्री ममता कुमारी	प्रोफ़ेसर जे. के. जोशी	'Study of Resolution of Eriksonian Life Crises and Emotional Intelligence Related Abilities of Adolescent Students in Relation to Their Hemispheric Preferences, Sensory Preferences and Some other Specific Variables'	शिक्षक शिक्षा विभाग	प्रो. पी. के. साहू, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	28 जून 2018
4.	सुश्री आरती भट्ट	प्रोफेसर गोविंद सिंह	उत्तराखण्ड में महिलाओं की मीडिया आदतों का अध्ययन (टिहरी जनपद के विषेष संदर्भ में)	पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग	प्रो0 ए0 आर0 डंगवाल हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढवाल)	09 जुलाई 2018
5.	श्री शिव प्रसाद जोशी	प्रोफेसर गोविंद सिंह	उच्च शिक्षारत छात्रों की राजनीतिक चेतना पर सोशल मीडिया का प्रभाव	पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग	प्रो. शम्भू नाथ सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा इग्नू, दिल्ली	10 जुलाई 2018
6.	श्री दीपक चन्द्रा	डॉ. दीपक पालीवाल	'Study of the Kumauni Rural Woman in the Era of moderncation A Sociological study with special reference to the woman of Tarikhet Block of District of Almora'	समाज विज्ञान विद्याशाखा	प्रो. ए. के. जोशी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	03 अगस्त 2018

शोध एवं अकादमिक गतिविधियाँ

- दिनांक-24/04/2018 को प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा उत्तराखण्ड प्रशासनिक अकादमी में जिला स्तरीय अधिकारियों हेतु 'आपदा प्रबन्धन और मीडिया' पर आयोजित त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में 'संचार, आपदा और मीडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. एम.एम. जोशी, सहायक प्रध्यापक, इतिहास में एक शोधपत्र, 'कुमाऊं की शाक्त प्रतिमाएं International Journal, Printing Area, में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. दीपांकुर जोशी, अकादमिक परामर्शदाता, विधि द्वारा लिखित दो शोध पत्र यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त जर्नल में प्रकाशित हुए।
- विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल द्वारा लिखित 'उत्तराखण्ड में पत्रकारिता का इतिहास' पुस्तक का प्रकाशन।
- दिनांक 9 मई, 2018 को प्रोफेसर आर सी मिश्र, निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य द्वारा प्राईमेक्स फाउण्डेशन तथा एशियन इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, पथुमतानी, थाईलैण्ड द्वारा आयोजित 'नवाचार एवं कौशल संवर्द्धन में नवीन प्रकृतियाँ' विषय पर थाईलैण्ड में आयोजित कॉन्फ्रेन्स में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्रध्यापक, ज्योतिष ने दिनांक 10 अप्रैल, 2018 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में UGC-MHRD द्वारा परियोजना E-content (ई-पाठशाला) में स्नातकोत्तर स्तरीय ज्योतिष (गणित) सम्बन्धित एक दिवसीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया तथा सम्बन्धित प्रोजेक्ट में 'ग्रहलाघवम्' नामक प्रश्न पत्र के कुल 32 इकाईयों का संस्कृत भाषा में लेखन कार्य हेतु BHU संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग द्वारा सम्मानित किया गया।
- विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का शोध-पत्र जिसका शीर्षक “Watermarking of audio signals using iris data for protecting intellectual property rights of multiple owners” है, Springer द्वारा प्रकाशित International Journal of Information Technology के आगामी अंक में प्रकाशन हेतु चयनित हुआ है| इस रिसर्च पेपर पर श्री सौरभ जोशी, डॉ जीतेंद्र पाण्डे एवं प्रोफेसर बी के सिंह द्वारा संयुक्त रूप से कार्य किया है|

पेट्रोलियम विश्वविद्यालय में व्याख्यान देते प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

- डॉ. शशांक शुक्ला, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी द्वारा स्त्री विमर्श की प्रतिनिधि पत्रिका 'स्त्रीकाल'में प्रकाशनार्थ लेख स्वीकृत हुआ है। इसके अतिरिक्त यूके से निकलने वाली ई-पत्रिका 'पुरवाई' के मई अंक में 'प्रेम और कथानक का प्रश्न' लेख प्रकाशित हुआ है तथ केन्द्रीय विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका 'उत्तर वाहिनी' में 'शेक्सपियर और पात्रानुकूल भाषा का प्रश्न' लेख प्रकाशित हुआ।
- डॉ. जीतेंद्र पाण्डे, सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर साइंस द्वारा दिनांक 24/05/2018 को एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली में आयोजित डिजिटल लर्निंग एवं मूक से सम्बन्धित कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।

- माह मई में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाओं की तैयारियां, नए सत्र 2018-19 के प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किए गए। साथ ही विद्याशखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गए।
- दिनांक 23/5/2018 से 20/6/2018 तक विश्वविद्यालय की डॉ. सीता, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित ओरिएण्टेशन कार्यक्रम-39 में प्रतिभाग किया गया है।
- दिनांक 22/6/2018 से 12/7/2018 तक विश्वविद्यालय के डॉ. मदन मोहन जोशी, सहायक प्रध्यापक, इतिहास, डॉ. दीपक पालीवाल, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, डॉ. नीरजा सिंह, सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समर स्कूल कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।
- निदेशक, शोध एवं नवाचार द्वारा दिनांक 11 जून, 2018 को देहरादून में विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों के कौशल विकास हेतु प्रभारी सचिव नियोजन उत्तराखण्ड शासन के द्वारा आयोजित बैठक में प्रतिभाग किया। जिसमें विश्वविद्यालय के विषय में विशेषज्ञता, विशेषज्ञों की उपलब्धता, प्रशिक्षण अवधि आदि के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया गया।

- डॉ. शशांक शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी द्वारा लिखित आलेख 'विश्वविद्यालय का प्रोजेक्ट' शीर्षक हिन्दी अकादमी, दिल्ली की प्रतिष्ठित पत्रिका 'इन्द्रप्रस्थ भारती' एवं पत्रिका 'व्यंग्य यात्रा' के अप्रैल-जून 2018 अंक में 'नियुक्तिआय नम:' व्यंग्य प्रकाशित हुआ।
- डॉ0 शशांक शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पर महादेवी वर्मा सृजन पीठ, कुमाऊँ विश्वविद्यालय रामगढ़, नैनीताल एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सेवासदन: कुछ समस्याएं' शीर्षक शोध आलेख का प्रस्तुतीकरण, [30-31 मार्च, 2018]
- श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा, अकादमिक परामर्शदाता, द्वारा लिखित 'पत्रकारिता: संभावनाएं एवं चुनौतियां' शीर्षक,लेख पत्रिका The Sameeksha (समीक्षा) Global: A Multidisciplinary Journal in Hindi में प्रकाशित हुआ (ISSN:2581-401X, Vol.2, Issue 1-2018)
- दिनांक 3/7/2018 से 23/7/2018 तक विश्वविद्यालय के डॉ. दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय , दिल्ली में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 3/7/2018 से 23/7/2018 तक विश्वविद्यालय के डॉ. जटाशंकर आर. तिवारी, सहायक प्रध्यापक, होटल प्रबंध द्वारा अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, गोरखपुर, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया।

- ➔ डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक , ज्योतिष द्वारा लिखित 'संस्कृत का महत्व' शीर्षक आलेख "International Journal of Jyotish Research" 'वेदचक्षु' नामक पत्रिका में प्रकाशन हेतु प्रषित किया गया।
- ➔ दिनांक 04/09/2018 से 26/09/2018 तक डॉ. मंजरी अग्रवाल, सहायक प्रध्यापक, प्रबन्ध द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल में Refresher Course in Economics Commerce and Management में प्रतिभाग किया गया।

- ➔ दिनांक 05/09/2018 से 27/09/2018 तक डॉ. जटाशंकर आर. तिवारी, सहायक प्राध्यापक, होटल प्रबन्ध द्वारा UGC, HRDC, लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित Refresher Course में प्रतिभाग किया गया।
- ➔ डॉ. मंजरी अग्रवाल का शोध पत्र "e-Readiness of State Open University towards online learning: A Study of BRAOU and UOU', IGNOU के जर्नल IJOL में प्रकाशित हुआ।
- ➔ डॉ. गगन सिंह सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा "Social Security Schemes With Respect to Elderly Health Care: A Study of Himachal Pradesh", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र Ageing and Health Care in India Issues and Challenges, (Edited Book), Indu Book Service, New Delhi 2018, pp. 59-74. (ISSN-978-93-86754-29-5) में प्रकाशित हुआ |
- ➔ यू.जी.सी द्वारा सूचीबद्ध जर्नल "The Online Journal of Distance Education and e-Learning" के Volume 6 Issue 4 में डॉ. जीतेंद्र पाण्डे, सहायक प्राध्यापक, स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी के शोध पत्र, जिसका शीर्षक " Investigating the attitude towards the use of Mobile Learning in Open and Distance Learning: A Case Study of Uttarakhand Open University" का प्रकाशन हुआ|
- ➔ MHRD द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना SWAYAM के लिए Introduction to Cyber Security विषय पर MOOC के निर्माण हेतु डॉ. जीतेंद्र पाण्डे - सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञान) को MHRD/IGNOU द्वारा 13.5 लाख(तेरह लाख पचास हजार रूपए मात्र) का अनुदान प्राप्त हुआ है जिसके अंतर्गत साइबर सिक्यूरिटी विषय में 20 घंटे के विडियो लेक्चर रिकॉर्ड किये जाने हैं तथा MHRD के दिशा-निर्देशों के अनुसार 4 quarderent approach के अनुपालन में पाठ्य सामग्री, असाइनमेंट, क्विज आदि का भी निर्माण किया जाना है| परियोजना के अंतर्गत विकसित पाठ्यक्रम को SWAYAM प्लेटफार्म द्वारा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाएगा| इसके अतिरिक्त इन विडियो लेक्चर का प्रसारण MHRD के DTH चैनल SWAYAMPRABHA में भी किया जाएगा|

Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)
उत्तराखण्ड सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय
University Road, Behind Transport Nagar
(Teen Pani Bypass), Haldwani -263139,Uttarakhand
Phone: 05946-286000, Fax : 05946-264232